|| Jai Shri Swaminarayan ||

परोपकाराय सतां विभूतयः

Shree Swaminarayan Gyanpith - Salvav

Established by Puraniswami Keshavcharandasji
in memory of Shashtri Hariprasaddasji

A small guide to two decades of
services to humanity

|| Jai Shri Swaminarayan ||

"The whole world is one family"

One cannot help the poor and misfortunate and think that it takes away their pain and suffering. It merely takes it away for a while. But even in that while, they feel loved and cared for. We in return get the unequaled feeling of satisfaction of helping a fellow human. We feel superior, not superior to the person we are helping but superior to our former self.

Help of any kind to anybody with us or anywhere else starts a chain that will see the benefactors or your close ones repeat it in near future. It might just be a major catalyst in changing the society. Your help even for one time may change the life of a person for the better, forever.

We care the most for our family. For the generous, the whole world is their family.

- Shashtri Kapiljivandasji

"Not for ourselves alone are we born"

अष्टादश पुराणेषु व्यासस्य वचनं दव्यम् ।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपिडनम् ॥

वसुधैव कुटुंबकम्

किसी दुर्बल की सहायता करना भलाई का कार्य है । किंतु, केवल सहायता कर देना और आगे निकल जाना, ही पर्याप्त नही है । इसके बावजूद हमारे द्वारा की हुई छोटी से छोटी मदद भी एक निर्धन को प्रेम से भर देती है । और साथ ही हमे यह सुखानुभूति देती है हमने एक नेक कार्य किया है । और यह भावना हमे उन असहाय और कमजोर लोगो से ऊँचा नही उठाती, बल्कि स्वयं को एक ऊँचे मुकाम पर पहुँचाती है ।

"मदद" की शुरुआत कही से भी हो सकती है । एक व्यक्ति शुरुआत करे तो देखते ही देखते यह एक सुंदर श्रृँखला का रूप ले सकती है । एक श्रेष्ठ कार्य एक "उत्प्रेरक" की तरह काम करता है । आपके द्वारा की गयी एक छोटी सी मदद किसी व्यक्ति के जीवन को हमेशा के लिए बदल सकती है ।

हम अपने परिवार की चिन्ता में रहते है । विशाल हृदय रखने वाले पूरे विश्व को अपना परिवार समझते है ।

शास्त्री कपिल जीवन दास जी

आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित मानस को कोई तरह की भौतिक सुविधाएँ दी जा सकती है । भोजन, कपडा, मकान, स्वास्थ्य संबंधी खर्च की मदद, नौकरी-इत्यादि । ये सब किया जा रहा है, पर क्या उन्हे उनकी इस "निराश्रित" अवस्था से, मुक्त किया जा सकता है?

पिछले दो दशकों से पुरानी केशवचरण दासजी व शास्त्री कपिलजीवन दास जी के मार्गदर्शन में इन "निराश्रित" आदिवासियो के जीवन में "आशा" का संचार हो रहा है। "आशा" एक बेहतर, सामाजिक, आर्थिक और स्वस्थ जीवन की ! एक आशा- कि हम भी कुछ बेहतर कर सकते है !

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः
परोपकाराय वहन्ति नध्यः ।
परोपकाराय दुहन्ति गावः
परोपकाराय शरीरम् एतत् ॥

A financially challenged person can be helped in many ways; one can provide him food, clothing, help him arrange a shelter, give him cash for medical treatment, provide medicine or help him get a job or self-employment. The problem is that all of this doesn't necessarily bring him and his family out from the destitute state. Same goes for a socially challenged person.

What it does though is that it provides that person hope. Hope that they can make it, make it to a better life.

For over two decades with the blessings and guidance of Purani Keshavcharandasji and Shashtri Kailjivadasji we have just done that. We have provided hope. Hope to a better life in health, in income and in social status.

Through education and our welfare programs we have made difference to life of many, especially tribals in Valsad district.

"Hope through welfare schemes"

Education is the biggest and most guaranteed mode of socio-economic change. It provides the means if not guarantee of a better life and most definitely forms the base of it.

Education in tribal sectors of Valsad districts has suffered due to lack of physical infrastructure, lack of capable teachers and persistence from concerned agencies.

We believe and have always believed educating the financially and socially challenged is the only way forward to give them better lives. At Salvav we educate talented tribal girls from classes 9 to 12 absolutely free of cost with the help of MAA foundation. hundreds of students have benefitted from our education system till date.

संस्थाप्य विप्रं विद्वान्सम् पाठशालां विधाप्य च ।
प्रवर्तनीया सदविद्या भुवि यत्सुकृतं महत् ॥

"Better opportunities through education"

शिक्षा और ज्ञान किसी भी आर्थिक - सामाजिक परिवर्तन के लिये सबसे भरोसेमंद स्त्रोत है । वलसाड जिले का आदिवासी इलाका भौतिक सुविधाओं, योग्य शिक्षकों और संबंधित प्रभागो के सहयोग से बहुत वंचित है । यही कारण है कि यहाँ आदिवासियों के लिए शिक्षा के प्रचार, प्रसार में बहुत बाधाएं आती है ।

हम यहाँ सलवाव में कक्षा ९ से १२ तक की आदिवासी कन्याओं को माँ फाउन्डेशन के सहयोग से निःशुल्क शिक्षा, आवास व भोजन प्रदान कर रहें है । अबतक कितने ही विद्यार्थी हमारी योजनाओं से लाभान्वित हो चुके है ।

मोटापोंडा स्थित हमारी भगीनी संस्था श्री गांधी आश्रम विज्ञान वल्लभदासजी स्वामी के मार्गदर्शन में पिछले १८ वर्षो से निरंतर श्रेष्ठ कार्य कर रही है। एक छोटे से आवासीय विद्यालय में कक्षा ५ तक शुरु किया गया कार्य आज एक विशाल आकार ले चुका है। २४० आदिवासी बच्चो के लिए निःशुल्क आवास, शिक्षा व भोजन की व्यवस्था के साथ कक्षा १ से कक्षा १० तक की कक्षाओं में आदिवासी बालक-बालिकाएँ पढ रहे है। अब तक इन्ही विद्यार्थीयों में कुछ अध्यापक, नर्स , मीकेनिकल व सिविल इन्जीनीयर बन चुके है।

Our sister trust Shree Gandhi ashram at Mota Pondha has worked relentlessly for education of tribals in Kaparada for the last 18 years.

Gandhi ashram started with a noble idea of taking education to the tribals. A small residential school upto class 5 was started under the guidance of Vignan Vallabhdasji Swami at Mota Pondha. Today around 240 tribals live and study at Mota Pondha free of cost every year in classes 1 to 10.

The firm belief and devotion to the singular cause of education of tribals has produced numerous P.T.T.C and B.ed. teachers, Nurses, Mechanical engineers and Civil engineers.

“Education that empowers”

Many villages of Kaprada and Dharampur talukas are still besieged in poverty and unemployment. Every year many migrate to nearby towns for employment where again lack of education, communication and skill becomes a major hindrance.

For some even that is not possible. Lack of employment brings malnutrition and even hunger to some extent. Every year we organize camps to provide food grains and basic nutrition to those people who cannot afford them on their own. More than 35000 blankets have been distributed among the tribals in the past few years. On special occasions and festivals Bhandaras are arranged feeding over 3000 tribals at a time. Around 4 such Bhandaras are performed every year.

For those who are able and willing to work, we try and impart them skills to make a living. Over 50 couples have been trained in language, skills and ways of the cities. All of them have been employed at various places giving them a better life.

“Poverty elimination through employment”

अन्नवस्त्रादिभिः सर्वे स्वकीयाः परिचारिकाः ।
संभावनीयाः सततं यथायोग्यं यथाधनम् ॥

कपराड़ा व धरमपुर तालुका के कितने ही लोग अनेक अभावों मे जीवन यापन कर रहें है । शहरों की तरफ आने पर भी इन्हें कोई रोज़गार नहीं मिल पाता है । भाषा और अशिक्षा बहुत बड़ा अवरोध है ।

बेरोजगारी से कुपोषण की समस्या जुड़ी हुई है । हमारी संस्था की तरफ से हर वर्ष अन्नपूर्ति, कम्बल वितरण और भंड़ारों का आयोजन किया जाता है । शहरों में बस पाने के उद्देश्य से उन लोगों को विभिन्न कौशल, भाषा व रहन-सहन का मार्गदर्शन दिया जाता है । यह हमारी संस्था की तरफ से आदिवासीयों को देश की मुख्य धारा से जोड़ने का यह एक “प्रयास” है ।

In addition to diseases, the problem of addictions to liquor and other such vices in tribal youth, compound the health, social and financial issues.

Research suggest that alcohol consumption leads to over 60 different diseases. In a community already struggling with financial stress, alcohol consumption compounds the problem. Trust conducts awareness camps, helps with rehabilitation and even provides medicine for addicts.

More than 1000 tribals have been de-addicted through our camps. We also helped them to give up meat and non-vegetarian products of any kind and become vegetarians.

आदिवासी इलाकों मे नशा व अन्य व्यसन भी एक अत्याधिक चिंता का विषय है । ट्रस्ट की ओर से निरंतर जागरुकता अभियान का आयोजन किया जाता है जिससे इन आदिवासी स्त्री-पुरुषों को नशे से होने वाली सभी प्रकार की बिमारीयों के बारे में बताया जा सके । युवा वर्ग को इस प्रवृत्ति से मुक्त करने के लिए पुनर्वसन किया जाता है । हमारे शिबिरों द्वारा अबतक लगभग १००० आदिवासी को " नशा मुक्त" कराया गया है । माँसाहारी से शाकाहारी भोजन शैली को अपनाने के लिये भी लगातार प्रेरित किया जाता है ।

व्यभिचारो न कर्तव्यः पुंभिः स्त्रीभिश्च मां श्रितैः ।
धूतादिव्यसनं त्याज्यं नाधं भङ्गादि मादकम् ॥

"Showing the way to a better life through de-addiction programmes"

The health status of tribals is amongst the poorest. They are the most marginalised groups in India. The tribal community lags behind the national average on several vital public health indicators, with women and children being the most vulnerable.

Health problems prevalent in tribal areas include endemic infectious diseases like malaria, tuberculosis, and diarrhoeal diseases, apart from malnutrition and anaemia.

Ignorance, attitude and lack of healthcare can lead to severe problems. Every year trust along with donors and medical experts organize free checkup camps in extremely backward areas to diagnose and if possible provide a cure for health related issues in tribals.

Over 5500 tribals have been diagnosed and treated through our medical camps. In addition to diagnosis we also provide medicines, spectacles and facilities for small eye and dental surgeries free of cost at this camps.

यावज्जीवं च शुश्रूषा कार्यामातुः पितुर्गुरोः ।
रोगार्तस्य मनुष्यस्य यथाशक्ति च मामकैः ॥

“Healthy living through healthcare facilities”

कुपोषण, खून की कमी तथा इनसे जूड़ी अन्य बिमारीयाँ जैसे मलेरिया, क्षय रोग, सम्प्रेक्षण आदि के रहते, आदिवासी जन जीवन निरंतर प्रभावित रहता है । राष्ट्रीय स्वास्थ्य माप दंड से देखा जाये तो ये आदिवासी बहुत पिछड़े हुए है । स्त्रियों और बच्चों की अवस्था बहुत चिंता जनक है । मुख्य कारण हैं अज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का अभाव । प्रति वर्ष ट्रस्ट मंडल की और से चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जाँच व रोग निदान उपलब्ध कराये जाते है । अब तक ५५०० आदिवासीयों को स्वास्थ्य शिबीरों द्वारा निःशुल्क दवाईयाँ, चश्मे, आँख और दाँतों के लिये छोटी शल्य चिकित्साएँ उपलब्ध करवायी गई है ।

अग्नि को साक्षी मानकर अपने जीवनसाथी के साथ आजीवन निर्वाह करना; इस मूलभूत वैदिक मान्यता को न समझ पाने के कारण, व विवाह से जुडे खर्च को नही जुटा सकने के कारण, बहुत से आदिवासी स्त्री-पुरुष बिना किसी सामाजिक रिती रिवाज के "सहवास" को अपना लेते है । उनके मन मे कही ना कही ये बात रह जाती है के उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन वो अपने समुदाय से बाट नही पाये । हमारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत हमने अबतक ९ सामुहिक लग्नों के आयोजनों से ८५० जोड़ो को विवाहित पति-पत्नी का दर्जा दिलाया है । शादी से जूटे हर जश्न और रीवाज के साथ, उपहार व जरूरी धरेलू सामान देकर संस्था के ट्रस्ट मंडल ने "कन्यादान" के मंगलमय कार्य को सम्पन्न किया है और आगे भी करते रहेंगे ।

इहेमाविन्द्र सं नुद चक्रवाकेव दम्पती ।
प्रजयौनौ स्वस्तकौ विस्वमायुर्व्यऽशनुताम् ॥

Marriage is a costly financial affair. Tradition demands from marrying couples of a feast for the relatives and neighbours amongst other gifts and expenses.

For those who cannot afford basic amenities, expenses on marriage, associated rituals and traditions is hard to fathom. As a result many tribals, instead of performing a ceremony just start living together. No ceremony, so nothing is expected of them. But a feeling of not enjoying and sharing the best day of their lives lingers.

We find such couples, some of them already grandparents and give them the marriage ceremony they deserve. Held according to all their rituals, with friends, relatives and fellow villagers along with all the celebration, fanfare and gifts associated with a marriage. Kanyadaan is performed by the trust with enough material and spiritual blessings to start a happy married life.

"Social responsibility and joy through mass marriages"

The relationship between god and humans is intimate, its even more intimate between god and the less privileged. Every tribal village has a Gram devata protecting and looking after them. Many times this gods or deities don't have a shrine and if they have one it is without a roof.

We help such villages build a shrine for their deities irrespective of the deity they choose. One such village is Naarvad. The villagers are strong followers of god Hanuman and their Gram Devata is Makardhwaj. The pictures show the temple of Hanuman and Makardhwaj constructed in 2015.

We have completed temples in Dharampur, Waghvad, Pangarbari, Paikhed, Gundiya, Aavdha, Olvera, Dhamanvengana and Naarvad. Temple construction at Sadadvera is in progress.

दष्ट्वा शिवालयादीनि देवगाराणि वर्त्मनि ।
प्रणम्य तानि तदेवदर्शनं कार्यमादरात् ॥

"Spiritual and divine guidance through shrines for Gram Devtas or Devis"

"निर्बल के बल राम" असहाय, अशिक्षित व समाज के हाशिये पर जीवन पर यापन करने वाले दयनीय आदीवासीयों का "ईश्वर" से अलौकिक संबंध होता है। इनके अपने ग्राम देवता व देवी होते है, पर उनके लिये पूजा स्थल नही होने के कारण सभी देवी-देवता खुलेमें रखे जाते ह । हमारी संस्था की ओर से लगातार इस ओर प्रयास किया जा रहा है कि छोटे मंदिर भवनों का निर्माण हो। ट्रस्ट ने अब तक धरमपुर, वाघवळ, पंगारबारी, पैखेड, आवधा, कोलवेरा, धामणवेंगण, गूंदिया और नारवड आदी स्थानों में मंदिर भवन का निर्माण कीया है । सादडवेरा में मंदिर निर्माण कार्य प्रगति में है । २०१५ में नारवड में हनुमान मंदिर का निर्माण किया गया जहाँ के आदिवासीयों के ग्राम देवता मकरध्वज हैं।

सामुदायिक कल्यानकारी योंजनाओं के अलावा संस्था का ट्रस्ट मंडल व्यक्तिगत रूप किसी को मदद करने के लिये भी सदैव तत्पर रहता है। सामुदायिक जीवन बहेतर बने इस के लिये संस्था आदिवासी इलाकों में पूरे के पूरे गाँवको "गोद" ले लेती है, ताकि सभी समस्याओं का हल निकल सके और सभी लाभान्वित हो। हमारा उद्देश्य है कि आत्म सन्मान, सामाजिक एकरूपता, जागरूकता, शिक्षा ओर स्वास्थ्य लाभ इन आदिवासीयों तक पहुँचे।

We have always approached welfare as means for allround development of people both as individual and as a community. Apart from our various welfare service individually helping people overcome their difficulties, we try hard to provide a better community living environment. This includes helping common problems applying to entire village.

We adopt villages in tribal areas so as to provide them a platform to present and solve their problems. Our aim in adopting this villages is to provide infrastructural and social development along with emphasis on dignity, social equality, cleanliness, awareness, education, healthcare and way of living.

अपि स्वर्णमयि लंड़का नमो लक्ष्मण रोचते।
जननि जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि॥

" Overall development through village adoption"

We work round the year for the benefit of those who really need it. Our activities serve the community around Valsad as a whole. Education, guidance workshops, medical camps, Bhandaras on special occasions for entire villages, awareness, training and employment, relief and counseling are few of the activities we undertake annually.

Our service also extends to Indians who have suffered form major natural disasters. From Kandlur and Kuttch earthquake, to relief for victims of Tsunami, we have approached our duty to help fellow Indians with all sincerity. Where we cannot reach we have made sure that we have made some contribution through donations to official agencies of the government.

दैव्यामापदि कष्टायां मानुष्यां वा गदादिषु ।
यथा स्वपररक्षा स्यात्तथा वृत्यं न चान्यथा ॥

हमारी संस्था वलसाड जिले के विभिन्न समुदायों के लिये तो कार्य करती ही है, जिसके अन्तर्गत मार्गदर्शन शिविर, भंडारे, प्रशिक्षण व रोजगार जैसी गतीविधीयाँ चलती है । इसके अलावा ट्रस्ट मंडल, कन्डलुर से कच्छ तक भूकम्प पीडितों, सुनामी पिडीतों की मदद करने के लिए भी हमेशा आगे रहा है ! जहाँ हम नही पहुँच, पाते हैं, वहाँ हम सरकारी ऍजेंसियों के द्वारा दान में घनराशी व मदद सामग्री भिजवाते है ।

“Service to mankind: Everywhere”

हम सब के नीरंतर और सर्मपित व सहयोग भाव के कारण आदिवासी जनजातियों के जीवन में अनेक परीवर्तन आए है । हमारी फलश्रुतिः

कपराड़ा व धरमपुर तालुका के ६५ गाँवों के अनेक लोग लाभान्वित हुए ।

कपराड़ा व धरमपुर तालुका के अनेक आदिवासीयों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं ।

हमारी दत्तक योजना के तहत अनेक गाँव के परीवार को जीवनोपयोगी आवश्यकताओं को पुरा कीया जाता है । यहां तक की हज़ारों के लीये कइ भंडारो का आयाजन कीया गया है ।

३५००० से भी अधिक कंबल बांटे गए ।

१००० से भी अधिक व्यक्ति को नशामुक्त कराया गया है ।

सामूहिक शादि के आयोजन द्वारा ८५० से अधिक आदिवासी विवाह करवाये गये ।

५० से अधिक जोडियों को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलवाया गया ।

आदिवासी जनजातियों के लीये १० मंदिर का निर्माण ।

५५०० से अधीक व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधित सेवाओ का लाभ मीला ।

ज़रुरतमंद आदिवासीयों को हमारी संस्था द्वारा रोजगारभी दिया जाता है ।

As a result of constant and dedicated efforts we have made a significant difference to life of many. "Falshruti" of our efforts is summarized below:

Tribals of 65 villages have in one way or many benefitted from our efforts in Dharampur and Kaprada talukas.

Hundreds of tribals have got education due to our efforts in Dharampur and Kaprada Taluka.

Numerous families have received food grains and other essential daily needs through our village adaption programs. Thousands have been fed through Bhandaras every year.

More than 35000 blankets have been distributed amongst the needy

Over 1000 persons have directly benefitted from our de-addiction programs and camps.

Over 5500 tribals have benefitted through our healthcare programs.

Over 50 couples have been trained and provided with employment at various places. Employment to several tribals in our own organizations.

10 temples have been built as per the wishes of tribal villagers with deities of their choice installed in those temples.

More than 850 couples have found marital bliss through our mass marriage ceremonies.

"We will always care for those who need help"

List of Villages of Dharampur taluka covered under various welfare schemes:

Bilpudi
Kedavani
Bhensdhara
Ugta
Paanva
Sidumbar
Dharampur
Piprod
Raan veri
Bhaanvad
Pindvad
Pangarbari
Vaghvad
Ulas pedhi
Saamarsingi
Kosbaadi
Gundiya
Khadki
Madhuri
Kotha indri
Aambosi Bhavthan
Aambosi
Pandav khadak
Hanmat maad
Mama bhacha
Kosim pada
Gadi
Bildha
Bhovada
Khanda

“Investing in children to re-invent our world”

धरमपुर तालुका के गाँव जहाँ संस्था कार्य करती है:

बिलपुडी
केळवणी
भेंसदरा
उग्ता
पान्वा
सिदुम्बर
धरमपुर
पिपरोळ
रानवेरी
भानवाड
पिंडवाड
पंगारबारी
वाघवड
उलासपेडी
समारसिंगी
कोसबाडी
गुंदीया
खडकी
माधुरी
कोथाईन्दरी
अंबोसी भवठाण
अंबोसी
पांडव खडक
हनमत माळ
मामा भाचा
कोसीमपाडा
गडी
बिल्धा
भोवाडा
खंदा

कपराडा तालुका के गाँव जहाँ संस्था कार्य करती है:

मांडवा
वरवठ
लवकर
करजुन
निलोसी
आंबाजंगल
कोलवेरा
हनमत माळ
सिंगार ताटी
सरोवर ताटी
चेन्पा
लिखवड
नानीपलसन
साहुडा
बिलीया
वालवेरी
निलोंगी
झिमनपाडा
पलाससोढ़ा
नारवड
खड़की
घोटण
कासडवेरी
चिचपाडा
कुमधा
मानीबोरपाडा
वीर क्षेत्र
वारवर
बारपुडा
माथुन्या

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता: ।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया: ॥

List of Villages of Kaprada taluka covered under various welfare schemes:

Mandava
Varvath
Lavkar
Karjun
Nilosi
Ambajangal
Kolvera
Hanmat maad
Singar tati
Sarovar tati
Chenpa
Likhvad
Nanipalsan
Shahuda
Biliya
Vaalveri
Nilongi
Zhimanpada
Palas sodha
Naarvad
Khadki
Ghotan
Kaasad veri
Chip pada
Kumadha
Chinch pada
Mani Borpada
Vir kshetra
Vaavar
Baarpuda
Maa tuniya
Sildha
Dhamanvengan

"Empowering women because a Society cannot succeed if women are held back"

A humble request:

Shree Swaminarayan Gyanpith - Salvav carries out all its social activities with a firm belief in caring for all. Be a part of this society and nation building activity. Contact us for support, donations in cash or in kind for our existing and future projects. We carry out all our activities in collaboration wtih one or all of our sister organizations:
Shree Swaminarayan Shikshan Seva Kendra- Salvav
and
Shree Gandhiashram Motapondha

"सर्वेभवन्तुसुखिनः"

श्री स्वामिनारायण ज्ञानपीठ-सलवाव के माध्यम से चलाये जाने वाले सभी सामाजिक कार्यक्रम इस वृहत दृष्टीकोण वाले उद्देश्य से प्रेरित हैं । सभी की देखभाल व राष्ट्र निर्माण संबंधी सहायता के लिये आगे आएं । और नकद या वस्तु के रूप में दान देने के लिए हमसे सम्पर्क करें । हम अपनी सारी गतिविधीयाँ अपनी भगिनी संस्था श्री स्वामिनारायण शिक्षण सेवा केन्द्र सलवाव व श्री स्वामिनारायण गांधी आश्रम, मोटापोंड़ा के सहयोग से करते है ।

Shree Swaminarayan Gyanpith - Salvav
Trust Reg. No.: E/2093/Valsad
(Donations to this trust are liable to deduction from income under section 80(G) of the Indian Income Tax Act.)
Account No. - 911010034359875
IFSC Code - UTIB0000111
MICR - 396211070
Pan No.:AAGTS3094N

Shree Swaminarayan Shikshan Seva Kendra- Salvav
Trust Reg. No.: E/990/Valsad
(Donations to this trust are liable to deduction from income under section 80(G) of the Indian Income Tax Act.)
Account No. - 111010100470223
IFSC Code - UTIB0000111
MICR - 396211070
FCRA Bank Acc. No: 56144008699 - State Bank of India - Vapi
IFSC code: SBIN0011029
FCRA Reg. NO. : 042000121
Pan No.: AABTS7994N

With blessings of

A. Ni. Shashtri Hariprasaddasji

Inpiration and guidance by

Puraniswami Keshavcharandasji

Reach us at:

Shree Swaminarayan Gurukul
National Highway - 8
Salvav
Ta Vapi
Di Valsad
Gujarat.

9825058774
kapilswamiji@gmail.com